

Padma Shri



MS. NIRMAL RISHI

Ms. Nirmal Rishi is the face of Punjabi cinema and has an immense contribution in the field of art and culture.

2. Born on 1st November, 1943, Ms Rishi received her Bachelor of Arts degree from the University of Rajasthan in 1966 and M.ED degree from Punjab University Patiala. She also did her M. Phil. degree in physical education in 1989. She is widely recognized as a renowned actress and for her contribution to the Punjabi theatre and movies. She has played roles in many popular stage dramas and revolutionary roles in Punjabi and Hindi cinema too. She also worked as a casual feed worker on project folklore literature department, Punjabi University Patiala.

3. Ms. Rishi has a long history of commendable plays to her credit since 1967 with Mr. Harpal Tiwana and Mrs Neena Tiwana's Punjab Kala Manch international repertory company. These include Kanak di balli, Mela munday Kudiyan da, Hind di Chadar, Sirhind di Deewar, to name a few. Her performances won her much appreciation and many awards throughout Punjab and on international level under the banner of Punjab Kala Manch and Punjabi Folk Theatre international production. She also assisted in the establishment of Harpal Tiwana foundation and is its Life Trustee. The character of Gulabo Massin in the Film Long the Lishkara made her very popular among the Punjabi audiences worldwide. Diva bale saari raat, Suneha, Uccha dar babe nanak are some of her serials. Other than this many TV Serials, home videos and telefilms are also to her credit.

4. Ms. Rishi has been conferred with various prestigious awards from time to time, including Sahitya Academy Award from the then President of India Late Shri Pranab Mukerjee, award for the contribution to Punjabi theatre by Language Department Punjab, Punjab Arts Council Award for contribution to Punjabi theatre, honour by Calgary Sikh Association Alberta Canada, Toronto for direction and role in Dukhdey Kaliery. She was honoured with prestigious Canada Flag by Canadian MP. She also got PTC channel film awards for supporting actress.



कुमारी निर्मल रिशी

कुमारी निर्मल रिशी पंजाबी सिनेमा की एक प्रमुख शख्सियत हैं और कला और संस्कृति के क्षेत्र में उनका बहुत अधिक योगदान है।

2. 01 नवंबर, 1943 को जन्मी, कुमारी रिशी ने 1966 में राजस्थान विश्वविद्यालय से कला स्नातक की पढ़ाई की और फिर पंजाबी विश्वविद्यालय से एम.एड. किया। उन्होंने 1989 में शारीरिक शिक्षा में एम.फिल. किया। वह एक सुप्रसिद्ध अभिनेत्री हैं और पंजाबी रंगमंच एवं फिल्मों में उनके योगदान के लिए उन्हें जाना जाता है। उन्होंने कई लोकप्रिय नाटकों में भूमिकाएँ निभाई हैं और पंजाबी एवं हिंदी सिनेमा में भी क्रांतिकारी भूमिकाएँ अदा की हैं। उन्होंने पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला के साहित्य विभाग की लोककथा परियोजना के लिए भी स्वैच्छिक फीड दिया है।

3. कुमारी रिशी ने 1967 से श्री हरपाल तिवाना और श्रीमती नीना तिवाना की पंजाब कला मंच इंटरनेशनल रिपर्टरी कंपनी के साथ कई प्रशंसनीय नाटकों में अभिनय किया है। इनमें कनक दी बल्ली, मेला मुंडे कुड़ियाँ दा, हिंद दी चादर, सरहिंद दी दीवार शामिल हैं। पंजाब कला मंच और पंजाबी लोक थिएटर के अंतरराष्ट्रीय निर्माण के बैनर के तहत उनके अभिनय के लिए उन्हें पूरे पंजाब और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत सराहना मिली है और कई पुरस्कार जीते हैं। उन्होंने हरपाल तिवाना फाउंडेशन की स्थापना में भी सहयोग किया और इसकी आजीवन ट्रस्टी हैं। लॉग दा लसकारा फिल्म में उनके द्वारा निभाया गया गुलाबो मासी का किरदार पूरी दुनियाँ में पंजाबी दर्शकों में बहुत लोकप्रिय हुआ। दीवा बाले सारी रात, सुनेहा, उच्चा दर बाबे नानक उनके कुछ सीरियल हैं। इनके अलावा, उन्होंने कई टीवी सीरियलों, होम विडियो और टेलीफिल्मों में भी काम किया है।

4. कुमारी रिशी को समय-समय पर विभिन्न प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है, जिनमें भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति स्वर्गीय श्री प्रणब मुखर्जी द्वारा साहित्य अकादमी पुरस्कार, पंजाबी रंगमंच में योगदान के लिए पंजाब भाषा विभाग द्वारा पुरस्कार, पंजाबी रंगमंच में योगदान के लिए पंजाब कला परिषद पुरस्कार, कैलगरी सिख एसोसिएशन अल्बर्टा कनाडा, टोरंटो द्वारा "दुखड़े कालिएरी" के निर्देशन और उसमें भूमिका के लिए उन्हें सम्मान शामिल है। कनाडा के संसद सदस्य ने उन्हें प्रतिष्ठित कनाडा फ्लैग से सम्मानित किया। उन्हें सहायक भूमिका के लिए पीटीसी चैनल का फिल्म पुरस्कार भी प्रदान किया गया।